छोड़ जगत की बातां ने

छोड़ जगत की बातां ने,
थूं राम जी को नाम संभाल ,
खो दियो कचरा में,
राम नाम मे मातो ठनके ,

झूटी बातां में ऊबो कड़के,
आयोड़ो अवसर जाय
बातां बातां में ,
थारी मारी में उमर बीती,

मिले नहीं लाभ बातां सब रीती,
भाया कर ले सुकरत
काम मनख जमारा में,
राजा रावण जरासंध देखो ,

वाके अभिमानी को ठेको,
मर गया कुत्ता की मौत,
जो करड़ाई में,
कर सेवा यो अवसर आयो,

मानव पद तूने मुश्किल पायो
थने सतगुरु देवे ग्यान ,

सत का शब्दा में,
गोकुल स्वामी सतगुरु

दाता दे उपदेश जीव जगाता,
लादूदास करे पुकार मौज फकीरी में,

भजन गायक - चम्पा लाल प्रजापति
मालासेरी डूँगरी

Source: https://www.bharattemples.com/chhod-jagat-ki-bata-ne/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw